

CHUNILAL GANDHI VIDYABHAVAN  
SURAT.

Manuscripts Library

SDP  
Coll. No. 419

Title Jyana Tanpara



CHUNILAL GANDHI VIDYABHAVAN, SURAT

Shastri Dinmanishankar Pustak-Bhandara

No. : 419. Subject : Tantric  
Dharmarashtra

Title : Jvara tanpanga

Author : — Scribe : —

Date of the work : — Date of the Ms. : —

Place of the work : — Place of the Ms. : —

Size : 6.7" by 4" Extent : 1 fol.

Language : Sanskrit Script : Devanāgarī

Remarks : —



॥ अत्रायं ० र्थे अन्यैर्वैश्वीः सामन्तिः पुंराणश्चो कत्रयावृत्त्यावी लुन  
 रिष्ये ॥ इति त्रीपिंडी समाप्तः ॥ ग्रंथमूल्या का ॥ २५ ॥ <sup>ज्वरतपण</sup> उं त्री पाद्र स्मप्रह  
 रहरणस्त्रिशिरारक्तलोचनः ॥ समे प्रीतिः सुखंदद्या सर्वमिथ  
 पतिर्ज्वरः ॥ ऊरमंत्रस्य कालाग्निस्तद्रूपिः ॥ गायत्री छंदः ॥  
 माहादेवो देवता सर्वज्वरविनाशार्थे नृपे वी ० गः ॥ नस्मा युधा  
 यवि न्महे एकादंष्ट्राय धिमहि ॥ तं नो ज्वरप्रचोदयात् ॥ १ ॥  
 इति ज्वरतपणं समाप्तं ॥ श्री ॥ ॐ ॥ ॥



॥ ॥ पंत रिद्धे ये कैचिये के रलु वा संस्थिता ये लुता  
विन्ध कर ता रः स्ते न श्यं तु शि वा न्य या ॥ मंत्रः ॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥